शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र

दिनांक - 13-07-2020 वर्ग - M.A - II

रोजगार का सिद्धान्त

objective

रोजगार का क्लासिकी सिध्दान्त, Unit-2

1. केन्ज के तरलता जाल की स्थितियो में, द्रव्य की पूर्तियो में वृध्दि होने से — ब्याज दर, रोजगार तथा निवेश पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
2. यदि ब्याज का चालू दर 4% हो तो शेयर बजार का दलाल सम्पत्ति शेषो तथा आय देने वाली परिसम्पत्तियों की धारण करने के बीच तटस्थ तभी रहेगी जब ब्याज की प्रत्याशित दर हो — 3.85।
3. यह मानते हुए की द्रव्य की मांग की ब्याज लोच 0.5% है तथा अन्य बाते स्थिर है यदि द्रव्य की आपूर्ति उसकी मांग से 5% अधिक है तो ब्याज संतुलन स्थापित करने के लिए उसकी ब्याज दर में कितनी गिरावट आनी चाहिए — 10%।
4. फ्राईडमैन का दावा है कि मुद्रा का परिमाण सिध्दान्त आमतौर पर:- मुद्रा की माँग का सिध्दान्त है।
5. MV = PT में 'V' तथा M = KPT में 'K' → एक दूसरे से व्युत्क्रम है।
6. केन्जीय प्रणाली में मुद्रा मजदूरी दर में गिरावट के परिणामस्वरूप → रोजगार में वृध्दि होगी।
7. फिलिप्स वक्र निम्नलिखित के बीच संबंध स्थापित करता है → मजदूरी वृध्दि का प्रतिशत तथा अर्थव्यवस्था में श्रमबल के बेरोजगारी का प्रतिशत।
8. तरलता जाल से अभिप्राय है → पूर्णतः लोचदार तरलता अधिमान वक्र।
9. यदि जनता के पास मुद्रा की राशि रु० 500 करोड़ है, वाणिज्यक बैंकों के पास मांग जमा रु० 2500 करोड़ के है। वाणिज्यक बैंको के पास सावधिक जमा रु० 5000 करोड़ है; RBI के पास अन्य जमा रु० 50 करोड़ के है। डाकघर में बचत जमा रु० 200 करोड़ के है तो मुद्रा पूर्ति M_1 होगी = M_1 = जनता के पास करेन्सी + वाणिज्यक बैंको पास मांग जमा + RBI के पास अन्य जमा = 500 + 2500 + 50 = 3050 करोड़।
10. निम्नलिखित में से कौन सा साधन निम्नतम तरलता प्रदान करता है — अचल सम्पति।
11. सांविधिक तरलता अनुपात और सामान्य उधार नियंत्रण एक दूसरे से संबंधित है।
12. केन्जीय अर्थशास्त्र में, एक निश्चित कुल निवेश व्यय पर बचत प्रवृति में वृध्दि होने के परिणामस्वरूप → आय में गिरावट आएगी।
13. एकल बैंकिंग प्रणाली बड़ी लोकप्रिय है — USA में।

14. बहु बैंक प्रणाली में, यदि नगद आरक्षण अनुपात 20% हो तो 100 करोड़ रूपये नगद जमा प्राप्त होने पर समूची बैंक प्रणाली निम्नलिखित सीमा तक जमा का सृजन कर सकती है → 400 करोड़ का।

15. खुले बजार के कार्यवाहियो का सिध्दान्त यह मानकर चलता है:- कि— बैंक जमा तथा बैंध मुद्रा का संचलन वेग स्थिर होता है।

16. आय निर्धारण के IS-LM मॉडल में बचत प्रवृति में वृध्दि होने के परिणामस्वरूप → LM वक्र बायीं ओर को खिसक जाता है।

17. यदि गुणक तथा त्वरक की अन्तः क्रिया के फलस्वरूप आय के पथ में काफी अधिक दोलन होने की संभावना है तो — सीमान्त बचत प्रवृति का मान त्वरक के मान से अधिक होनी चाहिए।

18. केन्ज के तरलता अधिमान सिध्दान्त समाधान प्रस्तुत करता है → अर्थव्यवस्था में मुद्रा बजार की संक्रिया का।

19. कीन्स के सामान्य सिध्दान्त में, निवेश तथा बचत को मुख्यतया: निम्नलिखित में परिवर्तन के जरिए बराबरी पर लाया जाता है → राष्ट्रीय आय।

20. तरलता अधिमान वक्र निम्नलिखित में से किनके कारण दाहीनी ओर जाने के लिए प्रवृति होगा → 1. व्यवसाइयों का विश्वास की ~~कीमते~~ ~~अभी का~~ विक्रेता देय ऋणो को जल्दी भुगतान के लिए दबाव डाल सकते हैं। (2) लोगों का विश्वास कि वे जिसे सामान्य कीमत मानते हैं बंधपत्रों की कीमत उससे तुलना में अधी है।

21.
(i) गुणक ———→ आर. एफ कान
(ii) तरलता जाल ——→ जे. एम. कीन्स
(iii) मुद्रा की तटस्थता ——→ जेम्स टोबिन
(iv) तरलता स्पेक्ट्रम ——→ डोन पेटिन्किन

22. यदि मुद्रा की आपूर्ति में कोई बहिर्जात वृध्दि होती है तो — सट्टा प्रयोजनो के लिए उपलब्ध द्रव्य की मात्रा में वृध्दि हो जायेगी।

23. कलात् बचत का अभिप्राय है → कीमते बढ़ने के फलस्वरूप उपभोग में घटत।

24. निम्न में से कौन सी चीजे किसी वाणिज्यक बैंक के उधार सृजन की क्षमता को घटा देगी → केन्द्रीय बैंक के पास जमा तथा हाथ रोकड़।

25. उधार गुणक गुणांक होता है — नगद आरक्षित अनुपात का व्युत्क्रम।

26. उच्च शक्ति मुद्रा योग है → जनता द्वारा धारित मुद्रा तथा बैंक ~~आदि~~ आरक्षितो का।

27. यदि केन्द्रीय बैंक खुले बजार में सरकारी प्रतिभूतियाँ बेचता है तो इसके फलस्वरूप →

1. उधार की लागत बढ़ जायेगी, (2) मुद्रा की आपूर्ति मे कमी हो जायेगी।

28. निम्नलिखित में से किस बात से वाणिज्यक बैंको की आरक्षितीयों में बढ़ने की प्रवृति पैदा होगी → बैंक दर मे कटौती।

29. केन्स के अनुसार, मुद्रा की व्यवहार मांग L को इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है → L = K(y) + I(r)

30. फिशर का विनिमय समीकरण स्थापित करता है → मुद्रा और कीमतो के बीच प्रत्यक्ष और अनुपातिक संबंध

31. 1. ब्याज का उपभोग स्थगन सिध्दान्त → N.W. सिनियर
2. ब्याज का समय अधिमान सिध्दान्त → इरविंग फिशर
3. ब्याज का कर्ज योग्य निधि सिध्दान्त → नट विकसेल
4. ब्याज का तरलता अधिमान सिध्दान्त → J.M. केन्स

32. मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए केन्द्रीय बैंक को चाहिए → सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री करे और बैंक दर को बढ़ा दे।

33. 1962 से भारतीय रिजर्व बैंक को वाणिज्यक बैंको के समग्र जमाओं के नगद आरक्षित अनुपात को निम्नलिखित के बीच घटाने-बढ़ाने का प्राधिकार मिला हुआ है → 3 से 15% के बीच।

34. सामान्य कीमत स्तर में बढ़ोतरी हो सकती है → 1. मुद्रा का आपूर्ति में वृध्दि 2. उत्पादन के समग्र स्तर में गिरावट।

35. निम्नलिखित परिसम्पातियों का तरलता ह्रासमान क्रम इस प्रकार है — नगदी > शीघ्र अवधि एवं अल्पसूचना मुद्रा > अग्रिम > सरकारी प्रतिभूति

36. अल्पविकसीत देशो मे मौद्रिक नीति के प्रभाव की सीमित प्रवृति निम्न में से किन बातों के कारण है — 1. मुद्रा बजार असंगठित होता है और इस लिए केन्द्रीय बैंक का मुद्रा प्रबंधन व्यापक नहीं होता है। 2. बैंक उधार मुद्रा आपूर्ति का थोड़ा सा ही अंश होता है। 3. विशाल अमौद्रिक क्षेत्र के अस्तित्व में होने के कारण बैंक दर परिवर्तन और अन्य मौद्रिक पहल प्रभावी सिध्द नही हो पाती।

37. निवेश गुणक का सूत्र है → $\frac{1}{1 - \frac{\Delta C}{\Delta Y}}$

38. यदि कीमत स्तर में वृध्दि का आशा हो तो निवेश को बढ़ावा मिलेगा क्योकि → लोग अपेक्षाकृत अधिक बचत करेंगें जिससे ब्याज दर गिर जायेगी।